No. 6-38/2022 (Languages) CBCS (PG) -HPU (Acad.)
Himachal Pradesh University, Summer Hill, Shimla-5
(NAAC Accredited "A" Grade University)
"Academic Branch",

Dated: 11 APR 2023

To

1. The Dean, Faculty of Languages HPU, Shimla-5
2. The Controller of Examinations, HPU, Shimla-5.
3. The Director, ICDEOL, HPU, Shimla-5.
4. The D.R. Exam. (PG) HPU, Shimla-5.
5. The D.R. Eval./Re-Eval./Conduct, HPU, Shimla-5.
6. The D. R. Secrecy, HPU, Shimla-5. **(with 2 spare copies.)**
7. The S.O. Exam (PG, Hindi) HPU, Shimla-5.
8. The Librarian, HPU Main Library, Shimla-5
9. The Incharge, Computer Centre, Examination Wing (PG), HPU, Shimla-5.

Subject: *Complimentary copies of modified/amended syllabus of M.A. Hindi (under CBCS).*

Sir/Madam,

In continuation of this office letter of even No. dated 17-08-2022, please find enclosed herewith a complimentary copy of modified/amended Syllabus ***of M.A. Hindi (under CBCS),*** duly approved by the Standing Committee of Academic Council in its meeting held on 22.03.2023 vide Item No.3, on the recommendations of the concerned Board of Studies (PG) for its implementation from the Academic Session 2022-23 onwards.

Yours faithfully,

11.4.23
Asstt. Registrar (Acad.)
HP University Shimla-5.

Endst. No. Even
Dated: 11 APR 2023

Copy to:

1. The Chairman, **Departments of Hindi, HPU, Shimla-5** to **send the soft copy in PDF format to web Admin, HPU, Shimla-5 immediately and place the same from the concerned faculty for its approval as per decision taken by the Standing Committee of Academic Council.**
2. All the Principal, Govt./Non-Govt., Affiliated Colleges under the Jurisdiction of H.P. University/HPU Regional Centre Dharmshala, Distt. Kangra (HP)/ Principal, HPU, Centre of Evening Studies, The Mall, Shimla-1, running above mentioned courses and also requested to kindly download the above mentioned syllabus from the University website i.e. www.hpuniv.ac.in.
3. The Web Admin, HPU, Shimla-5, with the request to upload this letter with syllabus on the website.
4. The Dealing Assistant Meeting (Acad.), HPU, Shimla-5, for information.
5. *Guard file.*

11.4.23
Asstt. Registrar (Acad.)

सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्रों के शीर्षक	पाठ्यक्रम अनुवर्तन - Course Outcomes (CO'S)	**क्रेडिट :** व्याख्यान=5 घंटे प्रतिदिन **अनुशिक्षण=** 1 घंटा प्रति सप्ताह	**रेगुलर विद्यार्थियों हेतु अंक विभाजन : थ्योरी=80 आंतरिक मूल्यांकन :** (समनुदेशन=10 प्रस्तुतिकरण=5 उपस्थिति =5) **=20**	**(पत्राचार विद्यार्थियों हेतु** थ्योरी=80 **आंतरिक मूल्यांकन** : समनुदेशन 20	**प्राइवेट विद्यार्थियों हेतु अंक विभाजन=100**
I	**MHIN 101**	मध्यकालीन काव्य	मध्यकालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं से भक्ति और दार्शनिक चेतना का विकास। सामाजिक एकता, अखंडत तथा नैतिक मूल्यों को विकसित करना। भक्ति आंदोलन की अवधारणाओं, भाषिक शब्दावली और विचारों पर चिंतन, संतवाणी तथा उनके उपदेशों से आध्यात्मिक चेतना और मानसिक विरेचन करना।	**5+1=6**	**80+20=100**		**100**
	MHIN 102	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि, भक्ति एवं रीतिकाल)	हिंदी साहित्येतिहास अध्ययन के माध्यम से चिन्तन दृष्टि को विकसित करना।। हिंदी साहित्यकारों एवं साहित्येतिहासकारों के जीवन से प्रेरणा और संवेदनशीलता, रचनात्मकता एवं सौन्दर्यात्मकता को विकसित करना। हिंदी साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों का कालक्रमिक विवेचन-विश्लेषण एवं ज्ञानवर्धन।	**5+1=6**	**80+20=100**		**100**
	MHIN 103	हिन्दी नाटक एवं उपन्यास	आधुनिक हिंदी गद्य की अवधारणाओं एवं प्रवृत्तियों का विश्लेषण तथा आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना। उपन्यासों एवं नाटकों के माध्यम से राष्ट्रीय, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मूल्यों के संवर्धन की दृष्टि को विकसित करना। विद्यार्थियों को रंगमंचीयता एवं अभिनेयता की ओर प्रवृत्त करना।	**5+1=6**	**80+20=100**		**100**
	MHIN 104	भाषा-विज्ञान	भाषा के उद्भव और विकास की परंपरा तथा व्याकरण के सैद्धान्तिक ज्ञान से अवगत होना।	**5+1=6**	**80+20=100**		**100**

			हिंदी भाषा में रुचि तथा जनसंचार के विभिन्न माध्यमों से हिन्दी भाषा की उपयोगिता को विकसित करना। विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रूचि विकसित करना।			
सेमेस्टर						
		प्रश्नपत्रों के शीर्षक				
II	**MHIN 201**	भक्ति एवं रीति-काव्य	भक्ति एवं रीति-काव्य के विश्लेषण से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन। काव्य ग्रंथों एवं काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का विवेचन। रचनात्मकता, सौन्दर्यात्मकता एवं संवेदनशीलता को विकसित करना और नैतिक मूल्यों की प्रतिस्थापना।	**5+1=6**	**80+20=100**	**100**
	MHIN 202	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	आधुनिक काल के विभिन्न वादों, आंदोलनों एवं विविध विधाओं में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक दृष्टि को विकसित करना। आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास का विवेचन तथा हिंदी भाषा और साहित्य के बदलते परिदृश्य एवं स्वरूप का अध्ययन। आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता के बदलते स्वरूप और जीवनमूल्यों का ज्ञान।	**5+1=6**	**80+20=100**	**100**
	MHIN 203	आधुनिक गद्य साहित्य	आधुनिक हिंदी गद्य की अवधारणाओं और प्रवृत्तियों का विश्लेषण। गद्य-साहित्य की विधाओं के अध्ययन से मानवीय जीवन में घटित विभिन्न घटनाओं का अवलोकन तथा सामाजिक उत्थान के प्रति मानवता को जागरुक करना। जीवन मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना।			
	MHIN 204	हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि	हिंदी भाषा का उद्भव एवं वर्तमान संदर्भ में हिंदी के महत्त्व का विश्लेषण करना। हिंदी के उपयोग में विभिन्न तकनीकी शब्दावली, भाषा कौशल और व्याकरणिक दृष्टि की क्षमता को विकसित करना। राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार- प्रसार के माध्यम से भारतवर्ष की सभ्यता-संस्कृति को समृद्ध करना तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रबल बनाना।	**5+1=6**	**80+20=100**	**100**
	MHIN 205	मीडिया लेखन एवं हिन्दी पत्रकारिता **(जेनरिक-I)**	हिंदी-पत्रकारिता के इतिहासक्रम की जानकारी।	**04**	**80+20=100**	**100**

			मीडिया लेखन की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान तथा विद्यार्थियों में भाषायी दक्षता व कौशल विकास करना। मीडिया लेखन व हिंदी पत्रकारिता के अध्ययन से समाज में घटित विभिन्न घटनाओं के प्रति जागृति।			
III						
		प्रश्नपत्रों के शीर्षक				
	MHIN 301	भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	काव्यशास्त्र के अध्ययन तथा लेखन के प्रति रूझान और संचार कौशल को विकसित करना। हिंदी एवं संस्कृत साहित्य में काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों एवं साहित्यिक रूपों के ज्ञान को विकसित करना। आधुनिक युग में प्राचीन भारतीय काव्यशास्त्र की महत्ता और उसके पठन एवं प्रयोग हेतु प्रेरित करना।	**5+1=6**	**80+20=100**	**100**
	MHIN 302	अनुवाद विज्ञान	अनुवाद का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विवेचन तथा तकनीकी अध्ययन। लक्ष्य भाषा में सृजनात्मकता के लिए भाषा की संरचना और भाषायी सिद्धांतों के ज्ञान को विकसित करना। अनुवाद के विभिन्न उपकरणों एवं तकनीकों की जानकारी तथा स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा का ज्ञान।	**5+1=6**	**80+20=100**	**100**
	MHIN 303	छायावादी काव्य	कवियों का साहित्यिक परिचय, भाव एवं शिल्प विधान का ज्ञान। कविताओं के माध्यम से प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चेतना को विकसित करना। छायावादी कवियों के चिंतन एवं दर्शन का ज्ञान।	**5+1=6**	**80+20=100**	**100**
	MHIN 304	**(वैकल्पिक)** आधुनिक हिंदी कहानी **(विकल्प-एक)**	कहानी के शिल्प विधान की प्रक्रिया को समझना एवं विकसित करना। कहानी के पठन–पाठन के उपरांत समीक्षात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन की ओर प्रवृत होना। कहानी के माध्यम से सामाजिक यथार्थ, मूल्यों का संवर्धन एवं सामाजिक विसंगतियों से अवगत होना।	**5+1=6**		
		आधुनिक हिन्दी उपन्यास **(विकल्प-दो)**	**वृहद** कथा साहित्य के कथ्य एवं शिल्प विधान की प्रक्रिया को समझना। उपन्यासों में चित्रित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनीतिक सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध।			

			उपन्यास के पठन–पाठन, लेखन एवं आलोचना की ओर प्रवृत करना।			
		आधुनिक हिंदी नाटक **(विकल्प-तीन)**	आधुनिक हिंदी गद्य की अवधारणाओं एवं प्रवृत्तियों का विश्लेषण तथा आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना। नाटककारों के साहित्यिक दृष्टिकोण और रंगमंच की परम्परा से अवगत होना। मानव-मूल्यों का संवर्धन, अभिनेयता के गुणों का संचार तथा सृजनात्मक कौशल का विकास करना।			
		आधुनिक हिंदी कविता **(विकल्प-चार)**	सामाजिक, आध्यत्मिक एवं राष्ट्रीय गुणों को विकसित करना। कविताओं के मूल भाव समझने तथा लेखन व पठन हेतु रूचि पैदा करना । कवियों के चिन्तन एवं मानव-मूल्यों के ज्ञान से अवगत होना ।		**80+20=100**	**100**
		प्रश्नपत्रों के शीर्षक				
IV	**MHIN 401**	छायावादोत्तर काव्य	काव्य के माध्यम से पौराणिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास । काव्य के नवीन शिल्प विधान का ज्ञान । वैचारिक धरातल पर नवीन जीवन मूल्यों को विकसित करना ।	**5+1=6**	**80+20=100**	**100**
	MHIN 402	पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के दार्शनिकों के सिद्धांतों का विश्लेषणात्मक ज्ञान । भारतीय संदर्भ में पाश्चात्य समीक्षा के महत्त्व का प्रतिपादन । आधुनिक पाश्चात्य-समीक्षा का व्यावहारिक चिंतन ।	**5+1=6**	**80+20=100**	**100**
	MHIN 403	शोध प्रविधि	हिंदी साहित्य के शोध एवं अंतरानुशासनात्मक शोध दृष्टि को विकसित करना। शोध विषय में गुणात्मक एवं मात्रात्मक तथ्यों का विश्लेषण, प्रस्तुतिकरण एवं कौशल विकास को विकसित करना। आलोचनात्मक दृष्टि को व्यवहारिक और सृजनात्मक रूप विकसित करना।	**5+1=6**	**80+20=100**	**100**
	MHIN 404	लोक साहित्य : सैद्धांतिक विवेचन एवं प्रायोगिक आयाम	लोक जीवन एवं ग्रामीण समाज के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन हेतु लोक साहित्य के अध्ययन का अवलोकन। लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध के ज्ञान को विकसित करना।	**5+1=6**	**80+20=100**	**100**

			लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं के अध्ययन से किसी भी क्षेत्र की परिस्थितियों का अवलोकन।			
	MHIN 405	हिंदी साहित्य और सिनेमा **(जेनरिक-II)**	भारतीय सभ्यता और संस्कृति से परिचित होना तथा मानवीय मूल्यों का विकास करना। सृजनात्मक एवं लेखन कौशल का विकास तथा हिंदी साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना। हिंदी साहित्य और सिनेमा के अंतरसंबंधों का ज्ञान, सृजनात्मक एवं लेखन कौशल को विकसित करना और समाज के ज्वलंत विषयों से अवगत करवाना।	**04**		
				कुल क्रेडिट=104	**कुल अंक=100**	**कुल अंक=100**

6. मीडिया और पत्रकारिता की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान, रोजगारपरकता, वैश्विक स्तर पर मीडिया की व्यापकता, महत्ता तथा कौशलता की अभिवृद्धि।
7.लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं- लोकगीत, लोकगाथाएँ, लोककथाएं, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरों के अध्ययन से पारम्परिक ज्ञान एवं ग्रामीण जीवन के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक, पर्यावरण, चिकित्सा पद्धति के पहलुओं का विवेचन और विश्लेषण।

क्रेडिट पाठ्यक्रम पद्धति (सी.बी.सी.एस.) के आधार पर प्रस्तावित पाठ्यक्रम के अनुवर्तन (Course Outcomes(CO'S) तथा अन्य विवरण निम्न प्रकार है :

पाठ्यक्रम संरचना

स्नातकोत्तर हिंदी का यह पाठ्यक्रम द्विवर्षीय पाठ्यक्रम होगा, जिसे वर्ष में दो सेमेस्टर और पूर्ण पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभाजित किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्देशित एवं निर्मित पाठ्यक्रम के आधार को स्वीकृत करते हुए हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के चार सेमेस्टर के चयन आधारित **'क्रेडिट पद्धति (सीबीसीएस)'** के अंतर्गत संपूर्ण पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन पद्धति को तैयार किया गया है। प्रत्येक छात्र को उत्तीर्ण होने के लिए स्नातकोत्तर उपाधि के अंतर्गत थ्योरी और आंतरिक मूल्यांकन दोनों में 40 प्रतिशत अंक अर्जित करने होंगे। सेमेस्टर के अनुरूप प्रश्नपत्रों का विवरण निम्न प्रकार से है-

पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर हिन्दी- 2022

पहला सत्र

पाठ्यक्रम - **MHIN 10**1 मध्यकालीन काव्य
पाठ्यक्रम - **MHIN 10**2 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि, भक्ति एवं रीतिकाल)
पाठ्यक्रम - **MHIN 10**3 हिन्दी नाटक एवं उपन्यास
पाठ्यक्रम - **MHIN 10**4 भाषा-विज्ञान

दूसरा सत्र

पाठ्यक्रम - **MHIN 201** भक्ति एवं रीति-काव्य
पाठ्यक्रम - **MHIN** 202 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
पाठ्यक्रम - **MHIN** 203 आधुनिक गद्य साहित्य
पाठ्यक्रम - **MHIN** 204 हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि
पाठ्यक्रम – **MHIN** 205 मीडिया लेखन एवं हिन्दी पत्रकारिता **(जेनरिक-1)**

तीसरा सत्र

पाठ्यक्रम - **MHIN** 301 भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
पाठ्यक्रम - **MHIN** 302 अनुवाद विज्ञान
पाठ्यक्रम – **MHIN** 303 छायावादी काव्य